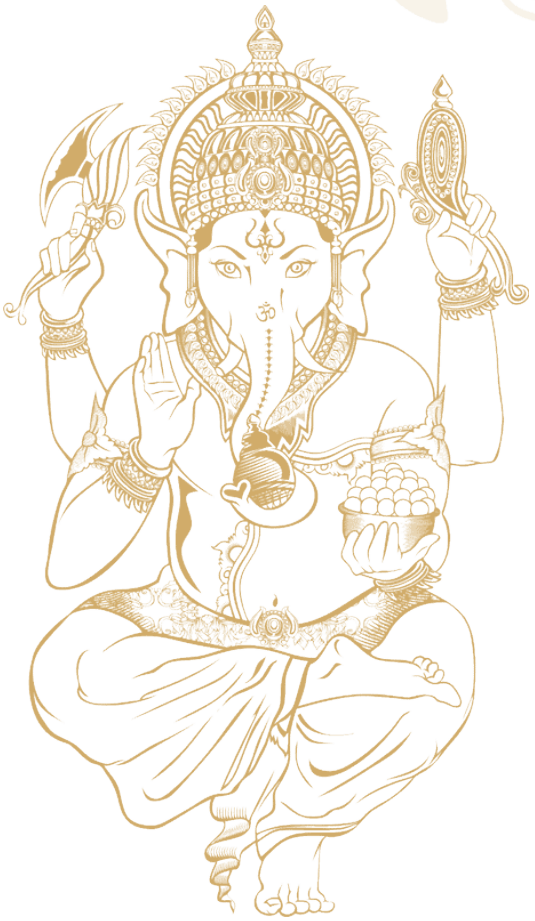

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31/12/2025	जन्म तिथि	31/12/2025
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 08:04:00	जन्म समय	08:04:00 घंटे
घटी 02:05:06	जन्म समय(घटी)	02:05:06 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:13:57	सूर्योदय	07:13:57
17:34:41	सूर्यास्त	17:34:41
24:13:18	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:18

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 10मा 11दि		26:57:30	धनु	लग्न	धनु	26:57:30	सूर्य 4वर्ष 10मा 11दि	
सूर्य		15:26:14	धनु	सूर्य	धनु	15:26:14	सूर्य	
31/12/2025		29:11:19	मेष	चंद्र	मेष	29:11:19	31/12/2025	
12/11/2030		17:46:57	धनु	मंगल	धनु	17:46:57	12/11/2030	
	00/00/0000	03:04:13	धनु	बुध	धनु	03:04:13		00/00/0000
	31/12/2025	27:15:08	मिथु व	गुरु व	मिथु	27:15:08		31/12/2025
मंगल	05/01/2026	13:51:41	धनु	शुक्र	धनु	13:51:41	मंगल	05/01/2026
राहु	30/11/2026	01:53:39	मीन	शनि	मीन	01:53:39	राहु	30/11/2026
गुरु	18/09/2027	16:51:10	कुंभ व	राहु व	कुंभ	16:51:10	गुरु	18/09/2027
शनि	30/08/2028	16:51:10	सिंह व	केतु व	सिंह	16:51:10	शनि	30/08/2028
बुध	07/07/2029	03:45:08	वृष व	हर्ष व	वृष	03:45:08	बुध	07/07/2029
केतु	12/11/2029	05:16:27	मीन	नेप	मीन	05:16:27	केतु	12/11/2029
शुक्र	12/11/2030	08:28:12	मक	प्लूटो	मक	08:28:12	शुक्र	12/11/2030

लग्न-चलित

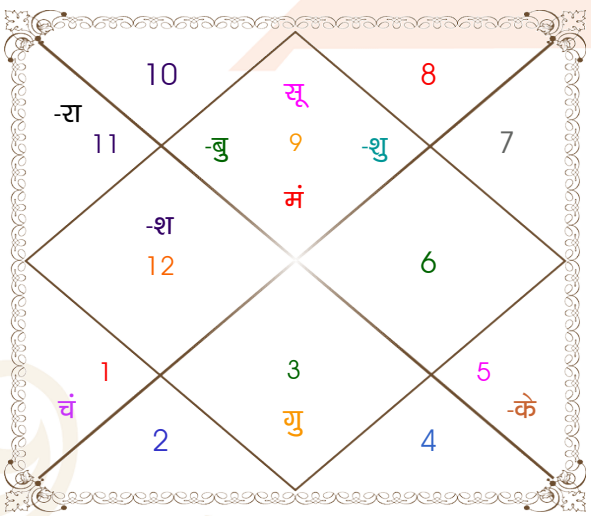

लग्न-चलित

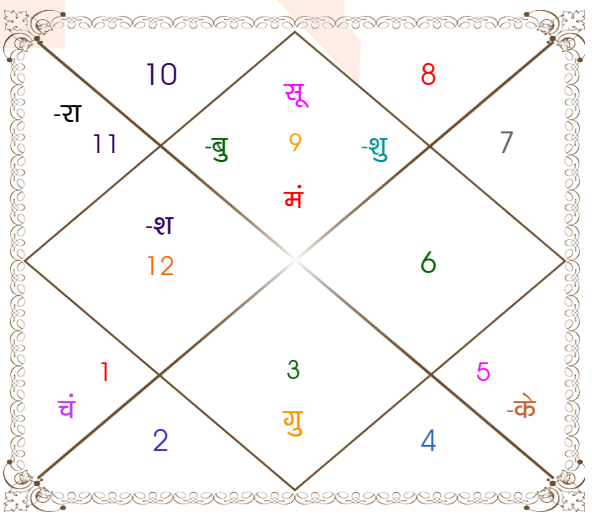

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मेष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।